

श्रा म्नाः सुमे सुर्तः सुत भयाम निः लि को ता उ ज ति स क्को ज य ॥

१७५३५ सुतं पे न मं म्मा न च ला उ रेः जौ रे स क्रु मां तं ताल सार
वो हो नि सु म्मा लू जो लो लि ल लार म ताल भ त म्मा तं सार का

२०९ लो च धे म्मा जा र्थे त म्मा रि जा गु र्थे स कि र्थे न मि मे म

पार्थ ता र्थ स्वर जा हा र्थे म्मा वा चा गु र्थि वा चा ग र्थे र्थ म्मा

मनः द वा चा म्मा म्मा वा चा धो र्थे वा चा दु र्थे वा चा ति ति वा चा

वा चा धर्ति वा चा वा चा धु श्वा का र्थे वा चा धु चा र्थे

वा न वा धु उ त र को धु वा र वा धु द धिन को वा र वा धु म द्धि म को वा र वा धु पुं र्व
को दु वा र वा धु मु त प्रे त द्धे त मु ष वा धु हुं हुं के र पे र फे र ॥ ४

१ॐ प्रे मु चे दु सु ने जो ले स्वा हाः का ला से तो धा गो म या कं न्या को धा गो मा
स त रि फु क दे ग भो ग धो पा र तु ग ला मा वा धु वा ध मा तु को म ये दे न ॥ २१०॥
१ॐ हे स्वे हे स्वे स्वा हाः ॥ धा तु को पा नि मा ह जा र ज पि चि नि त्स् ग पा ३ ॥ २११॥

ASHA ARCHIVES

2415

ASHA ARCHIVES

१० क र्म स रा यो फे त्ता मे ध ग र्ज श ज ति स को उ ति प ज के हि भ ये दे न ॥ २१२॥
१ राज ति स रा यो फे त्ता यो म व्र जा हा दु ध म्मा था उ मा ह जा र ज प पु ॥ २१३॥
१ॐ जै भि त्ति त्स्वा हा ॥ यो म व्र ष व ता पि रि ज प म रि द्वा ना र दे लो मा हा
नि दि नुः दे र हो रै जा ला ॥ ४ ॥ १ न मो कु मा र त य स्य नाः सु पे ल ल त त य
ल म मुं ज ज्य त्याः अ वि कं ध र्म का य ज्य त्या ग या म तिः त ध्या यः गि न व न
द न न रा यो कु मा र यो स्वा हाः कु मा र यो स्वा हाः ॥ पा निः स स्वी ति ई प्र धि

२१५ पा निमत्रिआनाजाहाजाहवधनद्धईहिवाहिद्धरिदि उपदिहसस्येप
 निद्ध उआपुयेकचित्रगरिगुरुसमजियेकचित्रपः बंधनपुईजा॥
 २१६ १ॐ हरिनिःनेसुष्यानिष्पाहुंकेत॥सस्येसिंधुरस्यास्त्रिकारजभा
 गरियोमंत्रजपितुजारजतिसक्योउतिजपिआफनामनकात्वास्त्रि
 १ धुमधुमदिलदिलसिकसिकुमुलुमुलुः॥जोभाग्यापुनिस
 २१७ कानाउमाःउत्कोलुगामायोमत्रपनिलेषःउत्कोनाःनेष

२१८ फेरि॥कं विकविकत्वाहायोपनिलेषःपायाउगया
 काधुलोःराशिःजायेमाविकल्पातोधुमाउतुःआपुलेपनि
 त्याथाउवातजानसकदेफेरिआवापदिउलता॥ॐधुनधु
 २१९ नःनोनोनचोलधोलत्याहा॥जादोकोजिकिमुत्रलेद्धिआफाल
 १ॐ सिरसिंधुरसाधिकवातेसजस्वनुलाईतेस्वनलाकमोहनि
 येहिपदुनहनिःनलाग्नागुरुहआलाग्नावदुसुर्जकिवावा

श्रीकामदेवस्य किका
 मुख्या विउपर होला पंवा पुलकि वारि म्पारि तलुवा वारि तेरा जर्म गई
 फेरि फेरि म्पारि मुष अहिल्या दहिल्या लाक मोह निःवर्जवा नई सोर
 गोरि पार्वटि माहादेव कि वाचा ॥ धा ३ ॥ मिलाधिया वया वस
 तर सपुया जिवः ॥ १५ नमो ॥ श्रीगुरु सत्ते अवतारि जा
 कि गुरुलामा नरसिंघ माहाकृद् गणसभिस सेन देवि भैरवि

292

सर्वभूत

420

विष्णुसहस्रनाम

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ मातापिताफुल्लवाहा ॥ योऽप्येव ७ थोम
त्रयवः जिवसमयेजु ई धासः जाकिह सुकाया जपयाना चारे
दिगमलोलाविया जाकिम उसा जा जिवः ॥
१७० अद्रालिनिधे वंदालिनिधे गुतकेसमिप्यरेममिपुल्लमत्रगौरा
पावती ईश्वरमाहर्देईकोवाचा ॥ जपनु ३ फु कनु १ गीत्यातदोहते
१७१ नमो बुलंतिबुलंतिबुलंतिबुलंतिगौरापावती ईश्वरमादेव

६९ काम रुदे सकि रि था गुरु हात वा धु गो रे वा धु पुष्पा रे धु रुडे
 वा धु दा ते वा धु मु षे वा धु ना षे वा धु आ षे वा धु काने वा धु
 क पा ले वा ~~दा दे वा धु~~ थाला वा धु ई स्वर माहा
 दे व गौरा पाव ति कि वा चा ये क वा चा दु ई वा चा ति टिया लि वा क
 वा ध को दे रु विष मा तु म त्रि हो वा च को म त्र हो भा लु के
 सो म त्र ज पिः हात फत का मा रु नुः भ ये के हि दे न नि स ये हो ला ॥
 १३ गुरु गो म् ॐ गुरु गो म् ॐ गुरु गो म् धि गो म् धा गो म् लि ई गो

मः छ्यो गो म् छ्यो डग गो म् मु त मु च ल गो म् श्री मा हा दे व गौरा पा
 वे तिका वा चा ये क वा चा दु ई वा चा ति टिया लि वा चा भ नि ज प २१ पु
 कि मा सु धि उ फु ल ज्वा उ म ले षा न्य ता ये क थो दि नु पु ल म न्य ता
 व न दि नु स्वा स्त्रि ला ई फ का व न हो पर अ स्त्रि सि त न च ल ॥
 १ काम रुदे सकि रि था गुरु हात जा गे गो डे जा गे पुष्पा रे जा गे
 रुडे जा गे डा ते जा गे मु षे जा गे ना षे जा गे आ षे जा गे काने जा
 गे क पा ले जा गे डा धि जु गा जा गे दा दे जा गे थाला जा गे ई स्वर

२२४ रमाहादेव गौरा पावति किवाचा येक वाचा दुई वाचा तिती याति
 वाचाः भनियो मजप उको फु १ गरि ७ हात फुत का मा रतु वाघ अदि
 देह टियाः यो मत्र लेज गाई पथा ईश्या फु व त्या को वा स छादि ॥
 १ श्या गन् वहर्तेः प फर्तेः गरु उ हाक पारेः विल मिस ते नि घु हा मे था
 मिल् मिल् ते जाये मा हा देव गौरा पावतिः पर वत उ पर सिंध्यानि
 गाईः उध पु ता घर जाये तो रि श्या गना हि विषत कोरः प म्मा का
 २२५ रं दर कु सु नौचुः वि ष्णो ह्यो मा हा देव गौरा पावती किवाचा

येक वाचा दुई वाचा तिती याति वाचा वा ध्यामा निज प गरि फु कि
 २२६ नु साप देह होला ॥ १ छो तो मा तो साप दो रि वि ष जा रि मा हा दे
 व गौरा पावती किवाचा भनियो मत्र ज पि भु कि पथा उ न प छी जाला
 १ ७ हि वु लि वु जो म ता सि ष ब्र मि न पु ता सि ईस्वर मा हा देव कि फु
 २२७ ल कि मंत्र रि ७ मा हा गु रु छुं ॥ ज प न २ फु क न २ सिंधु र मा मं
 रि श्या फ ना जा हा ईस मि न स त्रु था ई जान लाई यो सिंधु र लाई
 जा नु क से लेः के हि श्या फ लाई न नि को ग नु स क दे न ॥

२१८ श्री गुरु आ ग्या पंचरक्ष्या माहारक्ष्या वज्ररक्ष्या वदेवदेवज
 चातुर्देहै हे फेत स्वाहा ॥ जपनु १५ पुकनु १५ सोमत्रः श्रापुवत्पा
 था इका हि गया था इ मनमादरमा न्या जप गरि पुक भुन प्रेतवो
 कसिदाहि निले कुनु सकदेन ॥ ॐ श्री गुरु आ ग्या गुरुदाहि गुरुदु
 २१९ हा ई ईस्ये मिस्ये तानुथोमि भास्या ॥ यो मन्त्र विष्णु आ गोमा वेसु गरिदा
 रि गन्या गः पालनुथोमन्त्र साट फरा दोह्या ॥ यो पुकः निने ॥ ॐ
 हेद ॥ ॐ हि उरि उः करां करां देवदत्त सत्ये सत्ये ॥ यो मन्त्र ४० अ पि गया

२२० श्रुमानिस लाई मोहनहुं ॥

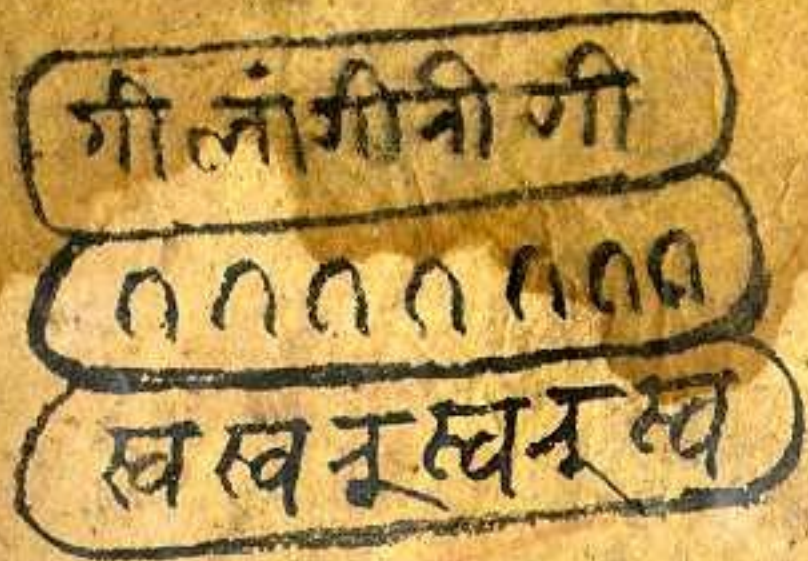
२२१ ॐ नमं गुरु आ ग्या ॐ नजा ॐ नजा ॥ जादिग व न गन
 भूतप्रेत दाकिनि ताकिनि चोलाग भालुको भये हवै नः जप १ पुक १
 ॐ नमं गुरु आ ग्या फुलषेलि फुलत्वान धा धुवसि गेलत्वान आदि
 नेरुमि धेलिसु जधुति देसै मा मव वया के जि थोपा येठि क रल ॥
 छः त्रिके वये माल कोनि स्या वा माहा देव या के स्वाहा ॥ धा १ पुय १
 श्रिता वस्ये या यनुल ॥ ४ गो लः पवः वलया नाम का या पुहे



कुंकुमः गोलचंदनः भोजपत्रस्य चोत्पः हास्य
 गालाभावनवोने ॥४॥ अस्त्री वल्ये ॥२३२॥



भोजपत्रस्य चो



थो चक्रः मेवनथ वघलसः मेवन
 उं जातयातसाः थो चक्र भोजपत्रस्य
 गोलचंदनकुंकुमः नचोयेः आलापुर्
 मंसिः नचोयावः लसादुने तयः म
 ड० व ये म पु ॥४॥ २३४॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 देव
 दभ्र
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कुमकुम गोलं च दन भुज पत्रं
 सज्जयेत्ता येन सधनेः ममा
 माः लोकाकोस्य धुडाव ताथेः
 धनं केतुमन तके वस्ये नृत्वा ॥ ४

२४७

अहेः गते २२ को दिन म।

सु-का वा ता १७ डिकि गो १९

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०



२४८

ॐ श्री भै नवः जायतावः मोक्ष फलं
 धोमहनिनः भोजन पत्र सधनेः
 बोयावः ता येन सः भवना ममि
 सायाना मत्तया वः धनं माय
 मिसा वसे नृवः निवस्य नः पुत्रा

पिबकाल	दि	दि	दि
सुगल	दि	देवद	दि
मादिके	दि	भ	दि
मसा	दि	दि	दि
मसे	दि	दि	दि
मालष	दि	दि	दि
मिन्तसा	दि	दि	दि
मोचक	दि	दि	दि
मिहामान	दि	दि	दि
नकेसवा	दि	दि	दि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

२५८ अ सू च या वा हे ति डा दि य सा शो डा ते म णि ज वे ॥

१ श्री गुरु शरण क प्ररोड पाणि निकता फकता
 सरमरातनहि सररुस्म कातन जेके विदत
 गो रू श सं सं हं त स्वाहा ॥ धन ४ थ रि था मा दि के

ॐ

ॐ ह नोऽथ रिम सेन कि काऽथ ॥ चमकन चक्र सदन न
लस विकन लख थ ३५५ सत य स् थ थ विक न ला हा ती स
वू या ५५ ॥ १ विकन स पू य च विकन न थ ३५ खाल स वू य
२६० ख वी व स्य इ यि ३॥ तं ख न खाल सी य ॥

ॐ नृ नृ सु ति क र्णा ट के ना ग य क्र रू र् स्वा हा ॥ ५५ ॥ ५५ ले
२६१ ल द्वा स ल स पू य द्वा स ल थ ति गु णि पि प लि म ल व पि प

५५ लामूल जी ल / रु के जी ल वृ म् नि / ग ग पृ ष्ठा / तली स्ना न / स्प
५५ वृ वि / ग म य खाल / सु क म्पाल / ल व लो व / पा त क / थु ति द्वा
५५ स ल का क दा य / सु स खे ला न क्ख खाल या डा ३५ का क दा या डा
५५ ता न क सु ति का ना ग इ यि ३॥ ॐ ग्री ग्री जी नृ नृ ह ॥ ५५ १०८ म
५५ रु रू प या य द का र्णा रि न के म रु थ ॥

३६२

